THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI BIR BAHADUR SINGH): (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House. [See Appendix CXLVII, Annexure No. 57].

Profit and Loss accounts of Central Public Sjector (Enterprises

*171 SHRI KAILASH PATI MISHRA; SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE:

Will the JMSnister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) what is the net profit earned and loss incurred during each of the last three years by all the Central public sector enterprises put together; and

(b) what was the target fixed for each year for them for generation of funds?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI J. ENGAL RAO): (a) The net profits earned by all the Central Public Sector Enterprises put together during the last two years ending 1986-87, upto which figures are available are as under:—

(Rs. in cro'ces)

1985-86	1173.4-1
F 1986-87	1769.08

igures for the year 1987-88 will be vailable only after 30-9-1988.

Ob) Targets fixed for generation of internal resources by the Central public sector enterprises for the last three years are as under;—

(Rs. in crores)

1985-86	3438.64
1986-87	3785.57
1987-88	3986.01

लघु उद्योग एककों में बढ़ती हुई रुग्णता

*173. **श्री राम नरेश यादव :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान नेशनल एलाइंस आफ यंग एन्टरप्रिन्योर्स द्वारा लघु उद्योगों के संबंध में 1987 में किए गए सर्वेक्षण की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि इसके सर्वेक्षण प्रतिवेदन के अनुसार रुग्ण लघु एककों की संख्या में गत वर्षों की तुलना में आने वाले वर्षों में निरन्तर वृद्धि होगी;

(ग) 1987-88 के दौरान ऐसे रुग्ण एककों की सख्या क्या थी ; और

(घ) सरकार ने रुग्णता को रोकने के लिये अब तक क्या कदम उठाये हैं ?

उद्योग मंत्री (श्री जे० बेंगल राव) : (क) और (ख) नेशनल अलायेंस आफ यंग इन्टरप्रिन्योर्स द्वारा प्रकाशित "स्टेटस आफ स्माल इंडस्ट्रीज इन इंडिया इन 1987-88" नामक एक अध्ययन रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार लघु क्षेत्र में रुग्ण एककों की संख्या 1981 से प्रति वर्ष बढ़ती जा रही है ।

(ग) बैंकों से सहायता प्राप्त रुग्ण औद्योगिक एककों से संबंधित आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपनाई गयी परिभाषा के अनुसार एकत्र किये जाते हैं । भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राप्त नवीनतम सूचना के अनुसार जून, 1987 के अन्त तक देश में 1,58,226 रुग्ण लघु औद्योगिक एकक थे जिन पर पर 1,542.25 करोड रुपये की राशि बकाया थी ।

(घ) सरकार द्वारा लघु उद्योग क्षेत्र में प्रारंभिक अवस्था में रुग्णता का पता लगाने तथा रुग्ण इकाइयों की पुनर्स्थापना करने की दिशा में अनेक अभ्युपाय किये गये हैं । भारतीय रिजर्व बैंक ने फरवरी, 1987 में सभी वाणिज्यिक बैंकों को व्यापक